तर्ज--तेरे बिन सूने नैन हमारे

तेरे इश्क बिन आत्म प्यासी
दूर करो पिया अब ये उदासी

1--इन रुहो के दिन और रेना
तलफत बीते नाही चैना
तुम हो पिया मेरे सदा सुख विलासी
2--जिनके दूल्हा हो सुखदाई
उनके हाल पे क्या बन आई
सच्चिदानन्द मेरे पिया अविनाशी
3-- अपने तनो को आप जगा लो
रूहें तुमारी है आप मे मिला लो
आप ही दोगे पिया अखंड उलासी
4--इश्के दरद में साचां सुख है
इश्क बिना यहां हर पल दुख है
बहुत परेशां उम्मत खासी

Nijanand App